हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, बुधवार 25 मार्च 2026

तापमान

अधिकतम 32 .9 डिग्री
न्यूनतम 14 .4 डिग्री

10 छठे नवरात्र पर मां कात्यायनी की पूजा कर ...

11 यूआईईटी बीटेक के छठे सेमेस्टर के छात्रों ने ...

शहर में आज

- बिजली निगम में सुबह 11 से 1 बजे तक खुलादरबार।
- मांगों को लेकर रोडवेज कर्मचारियों की बैठक।

बिजली बाधित

- बिजली मरम्मत कार्य के चलते सुबह 10 से 1 बजे तक सेक्टर-2 के पूरे एरिया की बिजली बाधित रहेगी।

खबर संक्षेप

नौकरी के नाम पर युवक से की 80 हजार की ठगी

महम। महम के वार्ड चार में एक युवक के साथ नौकरी दिलाने के नाम पर 80 हजार रुपये की ठगी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में युवक ने महम थाने में शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत में सचिन सिंहमार पुत्र सतपाल सिंह ने बताया की उसकी अंशुल सेक्सेना नाम के व्यक्ति के साथ नौकरी दिलाने के नाम पर बातचीत हुई थी। अंशुल सक्सेना ने उससे 80 हजार रुपये मांगे थे। यह राशि उसने अलग अलग ट्रांजेक्शन से उसके मोबाइल नंबर से जुड़े बैंक खाते में फोन पे से की थी। वह व्यक्ति दो चार दिन तक घुमाता रहा। उसके बाद न तो अंशुल सक्सेना ने उसको नौकरी दिलवाई और न ही उसके पैसे वापस लौटाए। यह व्यक्ति यूपी के बंदायूं में दातागंज के काशपुर रोड का का रहने वाला है। पुलिस ने इस संबंध में अंशुल सक्सेना के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बाइक की टक्कर लगने से गई भैंस की जान

महम। लाखन माजरा थाना क्षेत्र के गांव नांदल में बुलेट की टक्कर लगने से एक भैंस की मौत हो गई। इस संबंध में पशुपालक ने लाखन माजरा थाने में शिकायत दी है। पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। नांदल गांव निवासी बबली पुत्नी राज सिंह ने बताया कि भैंसों को पानी पिलाने के लिए तालाब पर लेकर गई थी। भैंसें तालाब से जैसे ही सड़क पर आई तो नांदल गांव की ओर से तेजी गति से बुलेट चलाते हुए व्यक्ति ने भैंस के सिर में टक्कर मार दी। सिर में टक्कर लगते ही भैंस की मौके पर ही मौत हो गई।

पानी को लेकर टोल फ्री नंबर पर दें शिकायत

रोहतक। डीसी ने कहा कि शहर में खराब हो चुकी पेयजल पाइपलाइन को बदलने की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। इस परियोजना के लिए डीएनआईटी स्वीकृति के लिए सरकार को भेजी जा चुकी है और जल्द ही कार्य शुरू होगा। पानी के लिए टोल फ्री नंबर 18001805678 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

संस्थान ने ओरल कैंसर क्लीनिक के लिए दिया 2.5 करोड़ का बजट

मुंह के कैंसर पर बड़ी जीत: पीजीआईएमएस में स्वैब टेस्ट से शुरुआती स्टेज में ही चलेगा पता, इलाज होगा आसान

- ओरल ओपीडी में रोजाना हो रही 400 से 500 मरीजों की जांच, कई कैंसर मरीज मिले, बढ़ेगा स्टाफ आधुनिक मशीनें मंगवाई जाएंगी
- लक्षण वाले मरीजों को क्लीनिक में ले जाकर करते हैं उपचार
- पीजीआई में 16 मार्च से शुरू किया गया है ओरल कैंसर क्लीनिक

मुंह की त्वचा, मसूड़ों में बदलाव होना हो सकता है कैंसर ▸▸ धूम्रपान करने वालों को सबसे ज्यादा जोखिम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

प्रदेश के प्रमुख चिकित्सा संस्थान पीजीआईएमएस में खोले गए ओरल कैंसर क्लीनिक में आधुनिक ढंग से मरीजों का उपचार किया जा रहा है। मुंह के कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए हाईटेट मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। संस्थान की ओर से ओरल ओपीडी में आने वाले मरीजों की जांच स्वैब टेस्ट के जरिए की जा रही है, जिससे कैंसर का पता शुरुआती स्तर पर ही लगाया जा सकेगा। इसके अलावा नए क्लीनिक के लिए ढाई करोड़ का बजट दिया गया है। यहां न केवल स्टाफ बढ़ेगा बल्कि करोड़ों रुपये की लागत से उपकरण मंगवाए जाएंगे। रोजाना चार सौ से पांच सौ मरीजों की जांच की जा रही है।

मुंह का कैंसर अक्सर देर से पकड़ में आता है, जिससे इलाज मुश्किल हो जाता है। लेकिन अब स्वैब टेस्ट जैसी नई तकनीक के जरिए मरीजों की समय रहते स्क्रीनिंग संभव होगी। यह टेस्ट बिना दर्द के किया जाता है और रिपोर्ट भी अपेक्षाकृत जल्दी मिल जाती है।

वीसी ने किया था उद्घाटन

हाल ही में संस्थान के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने डेंटल कॉलेज में खोले गए इस ओरल कैंसर क्लीनिक का शुभारंभ किया था। उन्होंने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से निपटने के लिए समय पर जांच और जागरूकता बेहद जरूरी है। यह क्लीनिक प्रदेश के लोगों के लिए बड़ी राहत साबित होगा। क्लीनिक में रोजाना चार सौ से पांच सौ मरीजों की जांच की जा रही है। इसमें शुरुआत में ही कई कैंसर के मरीज मिले हैं। जिनके उपचार की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

बजट मंजूर

संस्थान प्रशासन ने ओरल कैंसर क्लीनिक को और बेहतर बनाने के लिए करीब ढाई करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है। इस बजट से न केवल आधुनिक मशीनें खरीदी जाएंगी, बल्कि विशेषज्ञ डॉक्टरों और स्टाफ की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। इससे मरीजों को बेहतर और तेज चिकित्सा सेवाएं मिल सकेंगी।

मुंह में छाले हों तो जांच कराएं

डॉक्टरों के अनुसार, मुंह के कैंसर का सबसे बड़ा कारण तम्बाकू का सेवन और धूम्रपान है। गुटखा, पान मसाला, बीड़ी-सिगरेट और शराब का सेवन करने वाले लोगों में इसका खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा खराब मौखिक स्वच्छता और लंबे समय तक मुंह में छाले बने रहना भी कैंसर का संकेत हो सकता है। समय रहते पहचान होने पर इस बीमारी का इलाज संभव है।

मुंह के कैंसर के लक्षण

मुंह के कैंसर के शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज करना खतरनाक साबित हो सकता है। इनमें मुख्य रूप से मुंह में लगातार छाले रहना, मसूड़े या त्वचा का रंग बदलना, सफेद या लाल धब्बे पड़ना, गले में दर्द या निगलने में परेशानी, आवाज में बदलाव, मुंह खोलने में कठिनाई और जबड़े में सूजन शामिल हैं। अगर ये लक्षण लंबे समय तक बने रहें तो तुरंत जांच करवानी चाहिए।

ये है बचाव

विशेषज्ञों का कहना है कि मुंह के कैंसर से बचाव पूरी तरह संभव है, यदि समय रहते सावधानी बरती जाए। तम्बाकू और धूम्रपान से पूरी तरह दूरी बनाना सबसे जरूरी कदम है। इसके अलावा संतुलित आहार लेना, हरी सब्जियों और फलों का सेवन बढ़ाना, नियमित रूप से दांतों और मुंह की सफाई करना और समय-समय पर डॉक्टर से जांच करवाना भी जरूरी है।

जागरूक भी किया जाएगा

पीजीआई में शुरू हुआ यह ओरल कैंसर क्लीनिक न केवल इलाज बल्कि जागरूकता फैलाने का भी काम करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर लोग समय रहते जांच कराएं और जोखिम कारकों से बचें, तो मुंह के कैंसर के मामलों में काफी हद तक कमी लाई जा सकती है।

समय पर जांच जरूरी : कैंसर से पूरा बचाव तभी हो पाता है जब आप समय पर जांच करवाएं। देर होने पर जांच में कैंसर मिल गया तो मरीज को लाइफ के साथ एडजेस्ट करना पड़ता है। इसलिए लोगों को समय समय पर जांच करवानी चाहिए।

सैकड़ों मरीजों की हो रही जांच

रोजाना सैकड़ों मरीजों की जांच की जा रही है। जिनमें कई कैंसर के मरीज मिले हैं। नई मशीनें खरीदी गई हैं ताकि मरीजों को और बेहतर उपचार मिल सके। क्लीनिक में मरीजों को कैंसर के शुरुआती लक्षणों की जांच, बायोप्सी, और उपचार की सुविधा प्रदान की जा रही है। मरीजों को परामर्श और शिक्षा भी दी जा रही है ताकि वे अपने स्वास्थ्य के बारे में जागरूक रहें। अक्सर लोग दांत के छोटे टुकड़े को निकलवाते नहीं है और वह भविष्य में ओरल कैंसर का कारण बन सकता है।

-डॉ. हरनीत, इंचार्ज, ओरल कैंसर क्लीनिक

मेयर रामअवतार वाल्मीकि की अध्यक्षता में प्री-बजट बैठक में बनी रणनीति

निगम की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

इस साल 150 करोड़ खर्च नहीं कर पाया निगम, 30 को फिर बजट

शहर में समस्याओं की भरमार, समाधान नहीं | पार्षदों से चर्चा के बाद बनेगा विकास का खाका | सफाई, सौंदर्यीकरण, सड़क पर खर्च होगी अधिक राशि

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

नगर निगम पिछले वर्ष के बजट में से करीब 150 करोड़ रुपये शहर के विकास कार्यों पर खर्च ही नहीं कर पाया। जिसकी वजह से कई योजनाएं अधूरी ही रह गई। अब निगम 30 मार्च को नया बजट पेश करने की तैयार कर रहा है। जारी किए जाने वाले बजट में सफाई, सड़क, सौंदर्यीकरण पर अधिक ध्यान देने का दावा किया जा रहा है। अहम बैठक में पूरे शहर के विकास का खाका तैयार किया जाएगा। मंगलवार को प्री-बजट बैठक निगम में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता मेयर रामअवतार वाल्मीकि ने की। शहर के समग्र एवं संतुलित विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार तथा विभिन्न विभागों की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए बजट तैयार करने पर गहन विचार-विमर्श किया गया। मेयर ने स्पष्ट कहा कि आगामी बजट को पूर्णतः जनहितकारी, विकासोन्मुख एवं व्यावहारिक बनाया जाए, ताकि शहर की मूलभूत आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभागों से संबंधित प्रस्ताव, योजनाएं एवं विकास कार्यों का विस्तृत खाका तैयार कर निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रस्तुत करें। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्ताव वास्तविक जरूरतों पर आधारित हों और उनमें पारदर्शिता व स्पष्टता हो। इसके अलावा यह भी निर्णय लिया गया कि बजट पर विस्तार से विचार विमर्श के लिए 26 मार्च को पार्षदों के साथ बैठक की जाएगी।

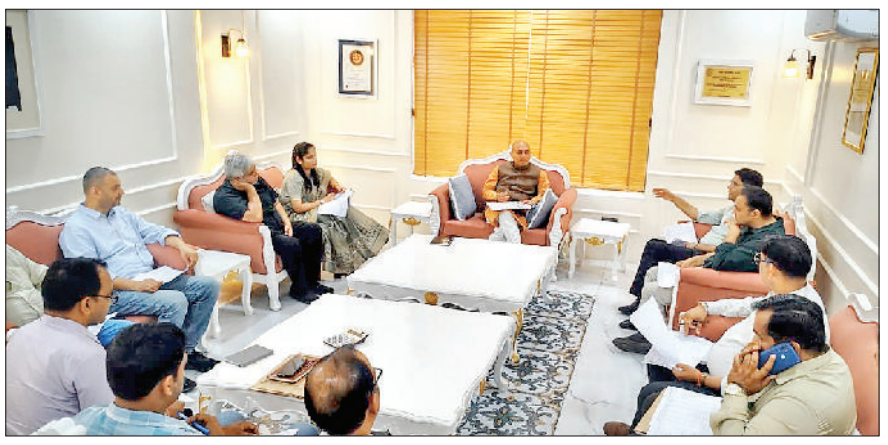

रोहतक। प्री-बजट बैठक की अध्यक्षता करते मेयर रामअवतार वाल्मीकि। फोटो : हरिभूमि

आय बढ़ाने के लिए भी होंगे प्रयास

बजट में नगर निगम का प्रयास रहेगा कि जहां से कम रेवन्यु आ रहा है, वहां से रेवन्यु ज्यादा आए। निगम की आय बढ़ाई जा सके और खर्च कम किया जा सके। पार्षदों ने भी मेयर और अधिकारियों को यह सुझाव दिए हैं। साथ ही लम्बित पड़ी योजनाओं को पूरा करवाने के लिए भी चर्चा हुई।

ये हैं प्राथमिकताएं

बजट में विशेष रूप से सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने, डोर-टू-डोर कूड़ा उठान प्रणाली को और प्रभावी बनाने, सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों को गति देने, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को दुरुस्त करने तथा पार्कों एवं हरित क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता दी जाए। इसके अतिरिक्त, शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चल रही विकास परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्हें समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।

नगर को स्वच्छ बनाएंगे

नगर निगम आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि आगामी वित्तीय वर्ष के लिए प्री-बजट बैठक में विकास कार्यों के साथ-साथ नगर निगम की आय बढ़ाने के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की गई तथा निगम की आय बढ़ाने की कार्य योजना तैयार की जाएगी। नगर निगम का उद्देश्य शहर को स्वच्छ, सुंदर, सुव्यवस्थित एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाना है।

ये रहे मौजूद

बैठक में संयुक्त आयुक्त नमिता कुमारी व मंजीत सिंह, उप निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह, वरिष्ठ लेखा अधिकारी राजेश गोयल, लेखा अधिकारी विकास यशकीर्ती, कार्यकारी अभियंता मंजीत दहिया व योगराज छिकारा, जिला नगर योजनाकार तिलकराज, मुख्य सफाई निरीक्षक सचिन, कनिष्ठ अभियंता सूर्या धनखड़, भू-अधिकारी संदीप बतरा आदि उपस्थित रहे।

योजनाएं जो रह गईं अधूरी

- अप्पू घर के पास आज तक काम्प्लेक्स का निर्माण अभी तक पूरा नहीं हो पाया। कई हाउस की मीटिंग में यह मामला उठता रहा है। योजना पर छह करोड़ से अधिक खर्च होना था। लेकिन अधर में लटका है।
- निगम क्षेत्र में दर्जनों सड़कों की मरम्मत का कार्य भी अधूरा रह गया।
- शहर के आधा दर्जन पार्कों का सौंदर्यीकरण नहीं हो पाया। कई पार्क अभी भी मरम्मत का इंतजार कर रहे हैं। लोगों को परेशानी हो रही है।
- गोहाना अड्डा स्थित भगत सिंह काम्प्लेक्स शुरू नहीं कर पाए।
- हुडा काम्प्लेक्स में मल्टीस्टोरी पार्किंग स्थल का निर्माण अभी तक पूरा नहीं हुआ। लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।
- शहर की सभी पशु डेरियों को कन्हेली में शिफ्ट नहीं करवा पाए।
- स्ट्रीट लाइट व्यवस्था पर भी पूरा कार्य नहीं हो पाया। जिससे शहर के कई क्षेत्रों में अंधेरा रहता है। जिससे लोगों को दिक्कत हो रही है।
- आधे सामुदायिक केंद्र मरम्मत का इंतजार कर रहे हैं लेकिन मरम्मत कार्य नहीं हो पाई। न ही, इनकी कोई सुध ले रहा है।

ऑटो चालक पर कुल्हाड़ी और डंडों से किया हमला

पति-पत्नी से जुड़े विवाद में वारदात, आरोपियों ने ऑटो में भी की तोड़फोड़

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

शहर के नजदीकी क्षेत्र में एक ऑटो चालक पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। गांव सांघी निवासी युवक सोनू, जो पेशे से ऑटो चालक है, पर गांव बहुअकबरपुर के कुछ लोगों ने कुल्हाड़ी और डंडों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घायल सोनू ने बताया कि वह रोज की तरह बस स्टैंड से सवारी लेकर अपने गांव लौट रहा था। रास्ते में उसे एक महिला अपने बच्चों के साथ मिली, जिसने गांव सिसर स्थित मायके छोड़ने का आग्रह किया। इंसानियत के नाते उसने महिला और बच्चों को ऑटो में बैठा लिया और गंतव्य की ओर चल पड़ा। इसी दौरान गांव मदीना के पास महिला का पति सुशील अपने साथियों के साथ बाइक पर पीछे से पहुंचा और ऑटो को रुकवा लिया। आरोप है कि इसके बाद उन्होंने सोनू पर अचानक हमला कर दिया। हमलावरों ने लकड़ी के डंडों और कुल्हाड़ी से वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

रिश्तेदार या बच्चों के नाम पर पैसे मांग रहे साइबर ठग

विदेशी कॉल से ठगी पर एडवाइजरी जारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

पुलिस ने साइबर ठगी के बढ़ते मामलों को देखते हुए आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की है। पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भौरिया ने बताया कि साइबर ठग लगातार नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि ठग अक्सर विदेशों से कॉल कर खुद को रिश्तेदार या परिचित बताते हैं। कई मामलों में वे यह कहकर लोगों को डराते हैं कि उनके बच्चे या रिश्तेदार, जो विदेश में पढ़ाई कर रहे हैं, किसी झगड़े या दुर्घटना में फंस गए हैं। इसके बाद समझौता कराने या पुलिस से छुड़ाने के नाम पर तुरंत पैसों की मांग की जाती है। इसके अलावा ठग यह भी दावा करते हैं कि उन्होंने आपके खाते में पैसे ट्रांसफर किए हैं और भारत में उनका कोई एजेंट वह रकम लेने आएगा। इसके समर्थन में वे व्हाट्सएप पर नकली रसीद भी भेज देते हैं, जिससे लोग झांसे में आ जाते हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया कि ऐसी किसी भी कॉल या संदेश पर बिना जांच के भरोसा न करें। पहले संबंधित व्यक्ति या परिजन से सीधे संपर्क कर सत्यता की पुष्टि करें। यदि कोई व्यक्ति ठगी का शिकार हो जाता है, तो तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करें या नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। पुलिस चौकी में भी रिपोर्ट दर्ज कराई जा सकती है।

खबरबस पांच अप्रैल को अर्जेंटीना में फ्रांस के फ्लोरियन काउड्रे में बड़ी फाइट

दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस कर दी जानकारी

पत्नी की सलाह पर कुश्ती लीजेंड्स के वीडियो देखे संग्राम सिंह बोले- अब मैं मुकाबले के लिए तैयार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

पहलवान से एमएमए फाइटर बने संग्राम सिंह की पांच अप्रैल को अर्जेंटीना में फ्रांस के फ्लोरियन काउड्रे के फाइट है। इसी को लेकर मंगलवार को दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस की गई। जिसमें संग्राम सिंह ने कहा कि फ्रांस के फ्लोरियन काउड्रे के साथ अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में होने वाली उनकी बहुप्रतीक्षित फाइट के लिए उन्होंने अपने जीवन में अब तक की सबसे ज़्यादा तैयारी की। इस दौरान वह अपने छह कोचों की मदद से खूब पसीना बहाते रहे। यहां तक कि उनकी रात की नींदें गायब हो चुकी थीं। मन में एक अलग तरह का डर पैदा होने लगा था। उनके मन की यह उथल पुथल उनकी पत्नी पायल रोहतगी से देखी नहीं गई। उनकी एक राय पर अमल करते हुए उन्होंने एमएमए के लीजेंड्स जॉन जोंस, सेंट पियरे और एंडरसन सिल्वा के वीडियो देखे, जहां उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला। सैमुराई फाइट हाउस उनकी इस फाइट को ब्यूनस आयर्स के टिगरे में रविवार पांच अप्रैल को आयोजित करेगा।

खेल मंत्रालय के फिटनेस आइकान संग्राम सिंह प्रधानमंत्री के फिट इंडिया मूवमेंट के देश भर में चलाए गए अभियान के एम्बेसडर हैं इसलिए वह ऐसे हर बड़े मंच पर देश के युवाओं को फिट रहने और कोई न कोई खेल अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। 40 की उम्र में एमएमए में भाग लेने वाले सबसे उम्रदराज फाइटर संग्राम सिंह अब अर्जेंटीना में इस खेल में शुरुआत करने वाले पहले भारतीय बनने जा रहे हैं। उन्होने इस अवसर पर खेल मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त किया और एमएमए के भारत में हो रहे विकास के लिए भारत सरकार को हर सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया।

रोहतक। प्रेस कांफ्रेंस में जानकारी देते संग्राम सिंह। फोटो : हरिभूमि

नए विपक्षी ने बढ़ाई टेंशन

संग्राम सिंह का कहना है कि उन्होंने फ्रांस के अपने प्रतिद्वंद्वी मौटेऊ मोटेइरो के मुकाबलों की वीडियो रिकॉर्डिंग देखकर तैयारी की थी लेकिन उनके इंजरी की वजह से हटने के कारण उनका दूसरे फाइटर फ्लोरियन काउड्रे से मुकाबला पड़ गया। उन्होंने कहा है कि इस फाइटर ने अपना कोई भी वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं किया है इसलिए उन्हें उनके हिसाब से तैयारी करने का मौका नहीं मिल पाया। इतना ही नहीं, संग्राम सिंह ने इस बार अपनी तैयारियों को भी अलग तरह से अंजाम दिया है जिसके लिए फीजियो सहित छह कोचों से उन्होंने मदद ली। संग्राम सिंह कभी बचपन में स्मेटिक रुमेटाइड आर्थेराइटिस की बीमारी से जूझ रहे थे। आठ साल बेड पर रहना और मुंह से एक भी शब्द न निकल पाना उनके जीवन का कभी न याद करने वाला पल था।

लकड़ियां लेने निकलीं महिलाओं को बस ने मारी टक्कर, एक की मौत

- लाखन माजरा के गांव बैंसी में हादसा
- दूसरी महिला को उपचार के बाद डॉक्टरों ने दी छुट्टी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महम

लाखन माजरा थाना क्षेत्र के गांव बैंसी में दो महिलाएं चूल्हे पर रोटियां पकाने के लिए ईंधन की तलाश में घर से निकली थी। वे सड़क किनारे लकड़ियां लेने जा रही थी। इसी दौरान हरियाणा रोडवेज की एक बस ने उनको टक्कर मार दी। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने इस संबंध में रोडवेज बस के चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। रेखा ने बताया कि राहगिरों ने उनको उपचार के लिए लाखन माजरा सीएचसी में दाखिल करवाया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उनको रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। एक्सीडेंट में लगी चोटों के कारण रोहतक पीजीआई में उपचार के दौरान उसकी पड़ोसन सुमन की मौत हो गई। जबकि दूसरी महिला को उपचार के बाद डॉक्टरों ने छुट्टी दे दी। महिला की मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

आरोपी चालक तिगड़ाना का

लाखन माजरा थाना पुलिस को दी शिकायत में बैंसी गांव निवासी रेखा पत्नी परमानंद ने बताया कि वह और उसकी पड़ोसन सुमन पत्नी सतीश चुल्हे में लकड़ी जलाने के लिए बैंसी पेट्रोल पंप की ओर गए थे। जब वे दोनों पेट्रोल पंप की तरफ सड़क पर अपनी साइड से जा रहे थे तो सुबह साढ़े 11 बजे हरियाणा रोडवेज की एक बस के चालक ने अपनी बस को तेज गति से और गफलत से चलाते हुए उनको सीधी टक्कर मार दी। उन्होंने बस का नंबर भी नोट कर लिया था। रोडवेज चालक से पूछताछ कि तो उसने बताया कि वह भिवानी जिले के तिगड़ाना गांव का बिशल सिंह पुत्र सुरजभान है।

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों को नशा मुक्ति पर किया जागरूक

रोहतक। पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गांव किलोई स्थित आईटीआई में विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भौरिया के निर्देशानुसार नशा मुक्ति टीम ने उप निरीक्षक अमरसिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि नशे की बढ़ती प्रवृत्ति न केवल स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालती है। उप निरीक्षक अमरसिंह ने कहा कि नशे के कारण कई परिवार कठिन परिस्थितियों से गुजरते हैं और युवाओं का भविष्य प्रभावित होता है। रोहतक पुलिस का उद्देश्य हर गांव और हर परिवार तक पहुंचकर लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करना है।

केमिस्ट्री विभाग में हुई क्लीन एंड ग्रीन ड्राइव

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के केमिस्ट्री विभाग द्वारा मंगलवार को विवि परिसर में क्लीन एंड ग्रीन ड्राइव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बायोकेमिस्ट्री विभाग के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार और केमिस्ट्री विभाग के अध्यक्ष प्रो. देवेंद्र सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया।
अभियान की शुरुआत केमिस्ट्री विभाग के मुख्य द्वार से हुई, जिसमें विद्यार्थियों, शोधार्थियों और प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने पूरे परिसर में स्वच्छता का संदेश देते हुए छात्रों और कर्मचारियों को कचरे के उचित निपटान और डस्टबिन के उपयोग के लिए जागरूक किया। प्रो. देवेंद्र सिंह ने कहा कि स्वच्छ और हरित वातावरण बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम संयोजक प्रो. प्रीति बूरा दून ने मार्च-पास्ट का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से युवाओं में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ती है। अभियान में प्रो. हरिओम, प्रो. नवीन कुमार, प्रो. कोमल जाखड़, डॉ. मुखनवती, डॉ. विजया, डॉ. संगीता सहित एमएससी के विद्यार्थी मौजूद रहे।

छोटी रंजिश, बड़ा अपराध: शहर में बढ़ती हिंसा का खतरनाक ट्रेंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिले में इन दिनों एक चिंताजनक प्रवृत्ति तेजी से उभरकर सामने आ रही है छोटी-छोटी रंजिशें अब बड़े और गंभीर अपराधों का रूप ले रही हैं। मामूली कहासुनी से शुरू होने वाले विवाद अब मारपीट, जानलेवा हमले और यहां तक कि हत्या तक पहुंच रहे हैं। पुलिस आंकड़े के अनुसार जनवरी से मार्च के बीच जिले में 95 से अधिक मारपीट के मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा 28 से ज्यादा जानलेवा हमले (धारा 307) और 5 से 7 हत्या के मामले सामने आए हैं। इन आंकड़ों की सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन घटनाओं के पीछे बड़े आपराधिक कारण नहीं, बल्कि बेहद सामान्य विवाद हैं, जैसे पारिवारिक झगड़े, प्रेम प्रसंग और जमीन से जुड़े छोटे-मोटे विवाद। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पहले ऐसे मामलों को बातचीत, समझौते या पंचायत के जरिए सुलझा लिया जाता था, लेकिन अब लोगों का धैर्य कम होता जा रहा है। छोटी-सी बात पर गुस्से में आकर लोग हिंसा का रास्ता अपना रहे हैं, जो समाज के लिए खतरनाक संकेत है।

सुरेंद्र भौरिया
एसपी, रोहतक

मामूली विवाद से खून-खराबे तक

हाल ही में सामने आए मामलों पर नजर डालें तो यह ट्रेंड और भी स्पष्ट हो जाता है। एक गांव में एक ऑटो चालक पर कुल्हाड़ी और डंडों से हमला किया गया। जांच में सामने आया कि यह हमला पारिवारिक विवाद और अवैध संबंधों को लेकर हुई रंजिश का नतीजा था। इसी तरह जमीन के छोटे विवाद ने दो पक्षों के बीच इतना बड़ा रूप ले लिया कि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रेम प्रसंग से जुड़े मामलों में भी स्थिति चिंताजनक है।

सहनशीलता में कमी बन रही वजह

इन घटनाओं के पीछे सबसे बड़ी वजह समाज में बढ़ती असहिष्णुता है। पहले लोग विवादों को सहन करने और समझदारी से सुलझाने की कोशिश करते थे, लेकिन अब छोटी-सी बात भी अहंकार और गुस्से की वजह से बड़ा रूप ले लेती है। लोग बिना सोचे-समझे गुस्से में आकर ऐसा कदम उठा लेते हैं, जिसका खामियाजा उन्हें और उनके परिवार को लंबे समय तक भुगतना पड़ता है।

सोशल मीडिया और नशे का असर

इन अपराधों के पीछे सोशल मीडिया की भूमिका भी नजरअंदाज नहीं की जा सकती। कई बार युवाओं के बीच सोशल मीडिया पर शुरू हुआ विवाद वास्तविक जिंदगी में हिंसा का रूप ले लेता है। स्टेटस, कमेंट या मैसेज को लेकर शुरू हुई बहस आमने-सामने की लड़ाई में बदल जाती है। नशे का बढ़ता चलन भी हिंसक प्रवृत्तियों को बढ़ावा दे रहा है। नशे की हालत में व्यक्ति अपनी भावनाओं पर नियंत्रण खो देता है और छोटी-सी बात पर भी हिंसक हो जाता है।

ग्रामीण इलाकों में ज्यादा असर

पुलिस के अनुसार, ऐसे मामलों का असर खासतौर पर ग्रामीण इलाकों और शहर की बाहरी कॉलोनियों में ज्यादा देखने को मिल रहा है। यहां छोटे-छोटे विवाद जल्दी भड़क जाते हैं और सामूहिक झगड़ों का रूप ले लेते हैं। सोशल मीडिया या आपसी बातचीत के दौरान हुई कहासुनी अक्सर आमने-सामने की भिड़ंत में बदल जाती है। कई मामलों में युवाओं के बीच शुरू हुआ विवाद हिंसक झगड़े में बदल गया।

पुलिस की सख्ती व जागरूकता अभियान

जिले में बढ़ती इन घटनाओं को देखते हुए पुलिस ने भी सख्ती बढ़ा दी है। संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त बढ़ाई गई है और ऐसे मामलों में पहले से ही हस्तक्षेप करने की रणनीति अपनाई जा रही है, जहां विवाद बढ़ने की आशंका होती है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हर मामले में सख्त कार्रवाई की जा रही है। आमजन को जागरूक करने के लिए भी अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि लोग छोटी- छोटी बातों को तूल न दें।

शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखें

पुलिस और समाज, दोनों की साझा जिम्मेदारी है कि वे मिलकर इस खतरे को रोकें और जिले में शांति और कानून व्यवस्था को बनाए रखें। क्योंकि एक छोटी गलती या गुस्से का एक पल, कई जिंदगियों को हमेशा के लिए बदल सकता है। विवादों को समय रहते सुलझाना, आपसी संवाद बढ़ाना और युवाओं को सही दिशा में मार्गदर्शन देना जरूरी है। साथ ही नशे के खिलाफ सख्त कदम उठाने और लोगों को कानून हाथ में लेने से रोकने की जरूरत है।

संकट मोचन मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

छठे नवरात्र पर मां कात्यायनी की पूजा कर भक्तों ने मांगीं दुआएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में ब्रह्मलीन गुरुमां गायत्री के सानिध्य में चैत्र नवरात्र में मंगलवार को मां जगदंबे के छठे स्वरूप मां कात्यायनी की भक्तों ने सपरिवार पहुंचकर मां की अखंड ज्योत की आरती करके और चुनरी चढ़ाकर लंबी दीर्घायु की दुआएं मांगीं। इनके पूजन से दीर्घायु की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर आदि शक्ति मां दुर्गा ने उनकी पुत्री के रूप में जन्म लिया था, इसलिए उन्हें कात्यायनी कहा जाता है। कार्यक्रम में गद्दीनशीन मानेश्वरी जी के प्रवचन हुए, दुर्गा स्तुति का पाठ और पंडित अशोक द्वारा आरती और प्रसाद वितरित हुआ। यह जानकारी सचिव गुलशन भाटिया ने दी।

रोहतक। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में मां कात्यायनी की पूजा-अर्चना करते साध्वी मानेश्वरी देवी व भक्तजन।

रोहतक। पाड़ा मोहल्ला स्थित माता मंदिर में पूजा अर्चना करते श्रद्धालु।

मां कात्यायानी की पूजा से मन चाहे वर की प्राप्ति होती है : साध्वी मानेश्वरी देवी

साध्वी मानेश्वरी ने भक्तों को मां का गुणगान करते हुए कहा कि मां कात्यायनी की पूजा करने से भगवान बृहस्पति प्रसन्न होकर विवाह का योग बनाते हैं और शादी में आ रही बाधाएं दूर होती हैं। उन्होंने कहा कि इनकी पूजा से मनचाहे वर की प्राप्ति होती है और धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति होती है। मां कात्यायनी ने ही अत्याचारी राक्षस महिषासुर का वध कर तीनों लोकों को उसके आतंक से मुक्त कराया था।

भगवान कृष्ण को पाने के लिए गोपियों ने की थी पूजा

उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए ब्रज की गोपियों ने इन्हीं देवी की पूजा की थी। लिहाजा विवाह में आ रही बाधा दूर करने के लिए देवी की पूजा फलदायी मानी जाती है। उन्होंने कहा कि प्रवचन सुनना ही धर्म नहीं बल्कि उसे जीवन में प्रयोग रूप देना धर्म है। मां कात्यानी का स्वरूप अत्यंत चमकीला, तेजस्वी है और इनकी चार भुजाएं हैं। दाहिनी तरफ का ऊपर वाला हाथ अभय मुद्रा में तथा नीचे वाला वर मुद्रा में है, वहीं बाईं तरफ के ऊपर वाले हाथ में तलवार और नीचे वाले हाथ में कमल-पुष्प सुशोभित है।

लोगों को जीवन में धर्म करना चाहिए

साध्वी मानेश्वरी देवी ने बताया कि हम और आप काल रूपी सर्प के मुख में बैठे हैं। यह काल रूपी सर्प कभी भी हमको डस सकता है। हमारी आयु दिन प्रतिदिन घटती जाती है। जिस प्रकार से टूटे घड़े में से पानी की बूंदें एक-एक करके निकलती जाती है। इसलिए मनुष्य को जीवन में धर्म करना चाहिए। धर्म करने से पुण्य बल बढ़ जाता है। पुण्य बल बढ़ जाने से हमे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

राज्यपाल देवव्रत ने प्राकृतिक खेती के मॉडल 'एसएस बाग' को सराहा

- प्राकृतिक खेती पर आधारित किचन गार्डन का किया अवलोकन

रोहतक। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत के रोहतक आगमन पर दिल्ली रोड स्थित 'एस.एस. बाग' में एक भव्य एवं गरिमामयी अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। एलपीएस बोसार्ड के प्रबंध निदेशक राजेश जैन ने अपनी पत्नी संध्या जैन और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं शॉल ओढ़ाकर महामहिम का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने एस.एस. बाग का भ्रमण किया। उन्होंने यहाँ विकसित प्राकृतिक खेती पर आधारित किचन गार्डन और मियावाकी पद्धति से तैयार किए गए सघन जंगल का बारीकी से अवलोकन किया। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान में रसायनयुक्त खेती के दुष्प्रभावों को देखते हुए प्राकृतिक खेती समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने राजेश जैन द्वारा पर्यावरण संरक्षण और समाज को जागरूक करने के समर्पण को अत्यंत प्रेरणादायक बताया। राजेश जैन ने राज्यपाल को अवगत कराया कि एस.एस. बाग को एक 'लर्निंग सेंटर' के रूप में विकसित किया गया है। यहाँ अब तक लगभग 5,000 स्कूली बच्चे और विभिन्न संस्थाओं के सदस्य प्राकृतिक खेती और सस्टेनेबल प्रोजेक्ट्स की व्यावहारिक जानकारी ले चुके हैं। इस अवसर पर मेयर रामावतार वाल्मीकि, डॉ. एच.के. अग्रवाल, डॉ. ध्रुव चौधरी, सुभाष आहूजा, राजेंद्र बंसल आदि रहे।

मंडी एसोसिएशन ने ढाई प्रतिशत आढ़त बढ़ाने पर नगराधीश को सौंपा ज्ञापन

रोहतक। हरियाणा राज्य अनाज मंडी आढ़ती एसोसिएशन के आह्वान पर जिले की विभिन्न अनाज मंडियों के आढ़तियों और पदाधिकारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान रोहतक, महम, कलानौर और सांपला मंडियों के प्रधानों सहित बड़ी संख्या में आढ़ती मौजूद रहे। आढ़तियों ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में पहले की तरह सभी फसलों की सरकारी खरीद पर 2.5 प्रतिशत आढ़त का भुगतान बहाल करना शामिल है। इसके अलावा गेट पास से जुड़े नियमों में संशोधन, लाइसेंस नवीनीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाना आदि शामिल है। इस मौके पर मंडी प्रधान सतीश, धर्मवीर सिवाच, नरेश कुमार व अशोक बंसल मौजूद रहे।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों की पूर्ण अनुपालना की जाए सुनिश्चित : डीसी

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों की पूर्ण अनुपालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने वन भूमि की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने दोहराया कि जिला प्रशासन पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। मंगलवार को कैंप कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त ने कहा कि वन विभाग सभी संबंधित विभागों को तकनीकी सहायता प्रदान करे। इसमें ऐतिहासिक वन अभिलेख उपलब्ध कराना, सत्यापन के लिए अधिकारियों की नियुक्ति तथा वन भूमि की पहचान और वर्गीकरण में सहयोग शामिल है।

स्कूल बसों में रोड सेफ्टी का इंतजाम करें संचालक: नेहरा

महम। प्राइवेट स्कूल संचालकों की बैठक को संबोधित करते एसडीएम विपिन कुमार।

- एसडीएम ने ली प्राइवेट स्कूल संचालकों की बैठक

महम। एसडीएम विपिन कुमार और खंड शिक्षा अधिकारी सत्येंद्र नेहरा ने क्षेत्र के निजी विद्यालयों के संचालकों के साथ रोड सेफ्टी को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। एसडीएम विपिन कुमार ने निर्देश दिए कि सभी स्कूल बसों में अनिवार्य रूप से फर्स्ट एड बॉक्स, सीसीटीवी कैमरा, अग्निशमन यंत्र, जीपीएस सिस्टम तथा स्पीड गवर्नर जैसी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि इन नियमों का पालन न केवल कानूनी रूप से आवश्यक है, बल्कि बच्चों की सुरक्षा के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। बीईओ सत्येंद्र नेहरा ने विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया कि बस चालकों के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस, निर्धारित वर्दी तथा अनुभव होना चाहिए। साथ ही, बसों में हेल्पर अथवा अटेंडेंट की नियुक्ति भी अनिवार्य रूप से की जाए, ताकि बच्चों की चढ़ने-उतरने में सहायता मिल सके।

5 अप्रैल को जींद रैली, वहीं बनेगी अगली रणनीति

महम रैली पर सस्पेंस बरकार, रात में सीएम संग हुई जांगड़ा की बैठक

- असम चुनाव के कारण नहीं लगी रैली पर मुहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

महम में होने वाली मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की रैली की तारीख को लेकर अब भी संशय बरकरार है। हालांकि मुख्यमंत्री ने कहा है कि रैली हर हाल में होगी। उनकी इच्छा है कि वे जल्द ही महम में रैली करें और महम हलके की जनता से रूबरू हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने रैली के लिए पहले भी मना नहीं किया था। 5 अप्रैल को जींद में उनकी रैली है। इसी दिन महम में रैली की जा सकती है। यदि असम चुनाव में ड्यूटी नहीं लगी तो हर हाल में 5 को ही महम में भी रैली होगी। यदि असम दौरा निर्धारित हो जाता है तो जींद रैली की तारीख भी बदल सकती है। यदि महम में 5 अप्रैल को रैली नहीं हो पाएगी तो 9 अप्रैल को रैली कर लेंगे। इन तिथियों में जब भी रैली होगी, उससे पांच दिन पहले सीएम हाऊस से सूचना भेज दी जाएगी। यह जानकारी सोमवार रात को मुख्यमंत्री ने राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा को दी। इस मौके पर उनके साथ महम से भाजपा नेता महंत सतीश दास भी थे।

महम। चंडीगढ़ स्थित सीएम आवास पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलते महम विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता व कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

सीएम आवास पर पहुंचे महम हलके से कार्यकर्ता

महम अनाज मंडी में 27 मार्च को होने वाली सीएम की रैली के स्थगित होने से नाराज महम हलके के सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता सोमवार दोपहर को चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की थी और इस बात पर नाराजगी जताई थी की महम की रैली रद्द कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि कौन कहता है कि उन्होंने रैली रद्द कर दी है। उन्होंने तो इतना ही कहा था कि 27 मार्च को उनके व्यस्त कार्यक्रम हैं। वे चाहते थे कि रैली की तारीख और रख लें। रैली जरूर होगी, इसको लेकर आज ही चर्चा कर लेते हैं। सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं की भीड़ को देखकर सीएम ने कहा कि दो चार आदमी यहां पर रुक जाएं और बाकि अपने घर चले जाएं। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा भी शाम तक यहां पहुंच जाएंगे। सीएम हाऊस से ही राज्यसभा सांसद के पास मैसेज भेज दिया गया। उस वक्त रामचंद्र जांगड़ा दिल्ली में राज्यसभा की कार्यवाही में भाग ले रहे थे।

गांवों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति बढ़ाएगी प्रदेश सरकार : उपायुक्त

रोहतक। कैंप कार्यालय में उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम की योजनाओं की समीक्षा बैठक लेते उपायुक्त सचिन गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

- जिले के 144 गांवों को मिल रही 24 घंटे बिजली

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि राज्य सरकार की म्हारा गांव-जगमग गांव योजना हरियाणा में ग्रामीण विकास और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के सभी गांवों को जल्द से जल्द इस योजना के तहत कवर किया जाए। उपायुक्त ने बताया कि बिजली सर्कल रोहतक के 172 गांवों में से 144 गांवों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति शुरू की जा चुकी है। शेष गांवों में भी कार्य तेजी से जारी है। उन्होंने कहा कि 8 गांवों में जगमग योजना की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जहां फिलहाल 16 घंटे बिजली दी जा रही है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि इन गांवों को प्राथमिकता के आधार पर 24 घंटे बिजली आपूर्ति से जोड़ा जाए, साथ ही बाकी 15 गांवों में भी योजना लागू करने की कार्ययोजना तैयार की जाए।

शैक्षिक नेतृत्व का मॉडल बनकर उभरा रीजनल सेंटर फॉर फैकल्टी डेवलपमेंट : डॉ. अग्रवाल

- मेडिकल टीचर विकसित करें नैतिकता व कौशल की आदतें

रोहतक। रीजनल सेंटर फॉर फैकल्टी डेवलपमेंट के पीजीआईएमएस में स्थापना के चार वर्ष पूरे होने पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल उपस्थित हुए। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर निदेशक डॉ.एसके सिंघल, डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉ. एमजी वशिष्ठ, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल उपस्थित हुए। मंच का संचालन निश्चेतन विभाग के प्रो. डॉ. प्रशांत कुमार ने किया।
कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि इस सेंटर ने न केवल अपने उद्देश्यों को पूरा किया है, बल्कि मेडिकल शिक्षा में शैक्षिक नेतृत्व का एक मॉडल बनकर उभरा है। डॉ. अग्रवाल ने डॉ. सुजाता, डॉ. राकेश, डॉ. प्रशांत कुमार और डॉ. उमेश यादव और उनकी टीम की विशेष प्रशंसा की और कहा कि उनके नेतृत्व और निरंतर प्रयासों से यह सेंटर सफल हुआ है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि आज के तेजी से बदलते स्वास्थ्य परिदृश्य में, मेडिकल टीचर की भूमिका केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य के डॉक्टरों में नैतिकता, कौशल और सीखने की आदतें विकसित करना भी है। उन्होंने कहा कि रीजनल सेंटर जैसे संस्थान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बैठक कूड़ा प्रबंधन एवं स्वच्छता कार्यों की हुई विस्तृत समीक्षा

फील्ड में जाकर सफाई कार्य की निगरानी के लिए निरंतर निरीक्षण करें अधिकारी : डॉ. आनंद शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

नगर निगम आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि शहर की सफाई व्यवस्था, कूड़ा प्रबंधन एवं स्वच्छता कार्यों की विस्तृत समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई, जिसमें अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए कि सभी वार्डों में नियमित एवं निरंतर निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए और अधिकारी स्वयं फील्ड में जाकर सफाई कार्यों की निगरानी करें, ताकि किसी भी प्रकार की कमी को तुरंत दूर किया जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि डोर-टू-डोर कूड़ा उठान प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी स्थान पर गंदगी के ढेर न रहे। साथ ही गीले एवं सूखे कूड़े को अलग-अलग करवाने पर जोर दिया जाये। नागरिकों को जागरूक करने तथा बार-बार कूड़ा एकत्रित होने वाले स्थानों की पहचान कर वहां विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए। नगर निगम आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने कहा कि निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा आमजन से सफाई कार्य की समस्याओं को सुने तथा संभव हो सके तो मौके पर ही समाधान किया जाए तथा जहां कहीं भी सफाई कार्यों में लापरवाही पाई जाए, वहां संबंधित एजेंसी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

रोहतक। सफाई व्यवस्था, कूड़ा प्रबंधन एवं स्वच्छता कार्यों की विस्तृत समीक्षा हेतु बैठक लेते नगर निगम आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा।

स्वच्छता नियमों का पालन करे आमजन

नागरिकों से अपील है कि सभी लोग स्वच्छता नियमों का पालन करें, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें, कूड़ा इधर-उधर न फैंके और घरों में गीले व सूखे कूड़े को अलग-अलग रखें। उन्होंने कहा कि स्वच्छ शहर का निर्माण केवल नगर निगम के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। बैठक में संयुक्त आयुक्त नमिता कुमारी व मंजीत सिंह, उप निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह, कार्यकारी अभियंता मंजीत दहिया व योगराज छिकारा, सहायक अभियंता सत्यव्रत, मुख्य सफाई निरीक्षक सचिन, कनिष्ठ अभियंता सूर्या धनखड़, भू-अधिकारी संदीप बतरा, सिटी टीम लीडर नीतीश साहू, आई.ई.सी. एक्सपर्ट आशीष कुमार, सलाहकार सलिल मेहता आदि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

रोहतक। आयोजित शिविर में एनएसएस स्वयंसेवकों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि प्रो. सपना गर्ग अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग, प्रो. सोनू देहमीवाल व प्रधानाचार्य डॉ. गोपाल कृष्ण। फोटो: हरिभूमि

सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लें स्वयंसेवक

रोहतक। एमडीयू की एनएसएस इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. सपना गर्ग (अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग), प्रो. सोनू देहमीवाल (उप-अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग) तथा प्रधानाचार्य डॉ. गोपाल कृष्ण, सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल माड़ोढी उपस्थित रहे। प्रो. सोनू देहमीवाल ने अपने संबोधन में सड़क सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डाला तथा समाज में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने स्वयंसेवकों को सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

छात्रों ने कोका-कोला प्लांट में सीखा उत्पादन-प्रबंधन

रोहतक। एमडीयू के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च (इमसार) के एमबीए छात्रों ने मंगलवार को एनरिच एग्रो प्राइवेट लिमिटेड (द कोका-कोला कंपनी प्लांट) का शैक्षणिक औद्योगिक दौरा किया। इमसार निदेशक प्रो. प्रदीप अहलावत ने छात्रों के दल को इस विजिट के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कोका-कोला प्लांट पर इमसार प्राध्यापक डॉ. सौरभ कांत, डॉ. प्रियंका यादव और डॉ. शैरी दहिया ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। इस विजिट के दौरान छात्रों को पेय पदार्थ निर्माण की आधुनिक प्रक्रियाओं, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, क्वालिटी कंट्रोल सिस्टम और संगठनात्मक प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

हैरान करने वाले नतीजे: कंट्रोल सिस्टम विषय में 80% छात्र फेल मेधावियों के भविष्य पर संकट

यूआईईटी बीटेक के छठे सेमेस्टर के छात्रों ने लगाया 'मास री' का आरोप : इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 80 में से 75 छात्र फेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूआईईटी) में बी.टेक छठे सेमेस्टर के छात्रों ने हाल ही में घोषित हुए परीक्षा परिणामों पर गहरा असंतोष जताते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के पांचवें सेमेस्टर के परिणामों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए छात्रों ने बताया कि इस बार 'मास री' (लगभग पूरी क्लास को फेल करना) दी गई है, जिसके कारण कई मेधावी छात्र भी परीक्षा पास नहीं कर सके। विद्यार्थियों के अनुसार, कुल 80 छात्रों में से लगभग 75 को री-अपीयर दी गई है, जो बेहद चौंकाने वाला परिणाम है।

छात्रों ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि कंट्रोल सिस्टम विषय में 80 प्रतिशत, दूसरे में 55 प्रतिशत और अन्य विषयों में 60 प्रतिशत विद्यार्थियों को फेल घोषित किया गया है। विशेष रूप से पावर सिस्टम-1, कंट्रोल सिस्टम, और माइक्रोप्रोसेसर एंड माइक्रोकंट्रोलर जैसे तकनीकी विषयों में उम्मीद से बहुत कम अंक मिलने की शिकायत की गई है।

इस गंभीर स्थिति को लेकर मंगलवार को पीड़ित छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल यूआईईटी के निदेशक डॉ. अश्विनी धींगड़ा और परीक्षा नियंत्रक से मिला और उन्हें लिखित शिकायत सौंपी।

रोहतक। परीक्षा नियंत्रक प्रो. राहुल ऋषि को शिकायत देने के बाद वापस आते विद्यार्थी तथा यूआईईटी के निदेशक डॉ. अश्विनी धींगड़ा को शिकायत देते विद्यार्थी और यूआईईटी विभाग के बाहर बैठे विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

उम्मीद से विपरीत परिणाम

छात्रों ने स्पष्ट रूप से कहा कि परीक्षा के दौरान उनका प्रदर्शन काफी बेहतर था और वे पास होने के लिए पूरी तरह आश्वस्त थे, लेकिन परिणाम बिल्कुल विपरीत आए हैं। छात्रों का मानना है कि या तो उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में बड़ी मानवीय चूक हुई है या फिर रिजल्ट प्रोसेसिंग के दौरान कोई गंभीर तकनीकी त्रुटि आई है। इस विवादित परिणाम के बाद से छठे सेमेस्टर के छात्रों में भारी मानसिक तनाव और भ्रम की स्थिति बनी हुई है। छात्रों ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित विषयों की उत्तर पुस्तिकाओं का दोबारा मूल्यांकन या निष्पक्ष पुनः जाँच करवाई जाए ताकि उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो। विद्यार्थियों ने बताया कि यूआईईटी के निदेशक डॉ. अश्विनी धींगड़ा ने छात्रों को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा और नियमानुसार जांच कर समस्या का समाधान किया जाएगा।

शिकायत सही मिली तो रिजल्ट रिवाइज करेंगे

इस तरह का मामला मेरे संज्ञान में आया है। एक विषय में 80 प्रतिशत के करीब विद्यार्थी फेल हुए हैं। विद्यार्थियों ने शिकायत दी है। यदि छात्रों की शिकायतें सही पाई जाती हैं, तो नियमों के तहत रिजल्ट को रिवाइज (संशोधित) किया जा सकता है। विश्वविद्यालय के पुराने नियमों के अनुसार 90 प्रतिशत छात्रों के फेल होने पर ही परिणाम की समीक्षा की जाती थी, जिसे अब बदलकर 75 प्रतिशत कर दिया गया है। इस मामले की गहनता से जांच की जाएगी और जिस भी स्तर पर गलती पाई जाएगी, उस व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

–प्रो. राहुल ऋषि, परीक्षा नियंत्रक, एमडीयू

पिंडली और पंजे में दर्द के बावजूद राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स में जीते दो पदक

चोट भी नहीं रोक सकी कदम पूजा मोर बनी नेशनल चैंपियन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपनी मेहनत और जुनून से देश का नाम रोशन करने वाली पूजा मोर ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया है। शास्त्री नगर लाढ़ौत रोड रोहतक निवासी पूजा ने भुवनेश्वर (ओडिशा) में 17 मार्च से 21 मार्च तक आयोजित 24वीं नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पूजा ने 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक और 400 मीटर में कांस्य पदक हासिल किया। खास बात यह रही कि इस प्रतियोगिता के दौरान पूजा चोट से जूझ रही थीं। उन्हें पैर की पिंडली और पंजे में गंभीर दर्द था, फिर भी उन्होंने दर्द सहते हुए दौड़ पूरी की। दौड़ समाप्त होने के बाद उन्हें दर्द की दवा लेनी पड़ती थी। पिछले कुछ समय से नियमित अभ्यास भी प्रभावित रहा, इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। अब तक वह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 25 से अधिक पदक जीत चुकी हैं। वह 2023 में हांगझोउ (चीन) में आयोजित एशियन गेम्स की पदक विजेता भी हैं। पूजा रोजाना कई घंटों तक अभ्यास करती हैं और अपने लक्ष्य के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। उन्हें खेलों के लिए उनके भाइयों दीपक मोर और संदीप मोर ने प्रेरित किया। परिवार ने ही उन्हें स्टेडियम तक पहुंचाया और कोच की तलाश में सहयोग किया।

पूजा मोर।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की क्षमता

वर्तमान में उनके कोच नीतू गहलावत हैं, जबकि इससे पहले वह कोच आशीष चिकारा से भी प्रशिक्षण ले चुकी हैं। कोच नीतू गहलावत के अनुसार पूजा बेहद मेहनती और अनुशासित खिलाड़ी हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता है। पूजा इस समय स्पेशल ओलंपिक्स के कैंप में भाग ले रही हैं, जो ग्वालियर (मध्य प्रदेश) स्थित अटल बिहारी वाजपेयी ट्रेनिंग सेंटर फॉर डिसएबिलिटी स्पोर्ट्स में 22 मार्च से 10 दिनों के लिए आयोजित किया गया है। इससे पहले उन्होंने लगभग 3 महीने पहले गुरुग्राम में स्पेशल ओलंपिक्स के ट्रायल दिए थे। वह वर्ष 2027 में सैंटियागो (चिली) में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। एशियन गेम्स में पदक जीतने के बावजूद उन्हें अभी तक सरकार की खेल नीति के तहत मिलने वाली सरकारी नौकरी नहीं मिली है, जिसका वह इंतजार कर रही हैं। स्थानीय लोगों और खेल प्रेमियों ने सरकार से मांग की है कि पूजा को शीघ्र सरकारी नौकरी प्रदान की जाए। पूजा मूल रूप से झज्जर जिले के गांव रेदुवास की निवासी हैं, लेकिन वर्ष 2018 से रोहतक में रहकर अपने खेल करियर को आगे बढ़ा रही हैं।

सामाजिक सेवा व नेतृत्व क्षमता का विकास एनएसएस का उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- राज्य स्तरीय एनएसएस शिविर में श्री लाल नाथ हिंदू कॉलेज के स्वयंसेवकों की भागीदारी

श्री लाल नाथ हिंदू कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने राज्य स्तरीय शिविर में भाग लेकर कॉलेज का नाम रोशन किया। कॉलेज के तीन स्वयंसेवक गगन, सारिका और राघव ने 15 से 21 मार्च तक बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी में आयोजित इस शिविर में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यह शिविर राज्य उच्च शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य युवाओं में सामाजिक सेवा, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार तनेजा के नेतृत्व तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. रजनी कुमारी और डॉ. प्रवीण शर्मा के मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने स्वच्छता अभियान, जागरूकता रैलियों, समूह चर्चाओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कॉलेज की एनएसएस परामर्श समिति ने स्वयंसेवकों की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही अन्य विद्यार्थियों को भी ऐसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया।

डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सामाजिक न्याय को आर्थिक उत्पादकता में बदलने की आधारशिला रखी: प्रो. शक्ति

- डॉ. आंबेडकर एज ए रूट ऑफ डेवलप्ड इंडिया 2047 विषय पर संगोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एमडीयू के डॉ. बी. आर. आंबेडकर चेयर द्वारा स्वराज सदन में डॉ. आंबेडकर एज ए रूट ऑफ डेवलप्ड इंडिया 2047 विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में जवाहरलाल नेहरू विवि, नई दिल्ली के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. शक्ति कुमार ने अपने विचार रखे। प्रो. शक्ति कुमार ने कहा कि डॉ. भीमराव ने सामाजिक न्याय को आर्थिक उत्पादकता में बदलने की मजबूत आधारशिला रखी, जो 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि आंबेडकर का दृष्टिकोण सिर्फ सामाजिक सुधार तक सीमित नहीं था, बल्कि वह आर्थिक विकास और समावेशी वृद्धि का भी आधार प्रस्तुत करता है।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते मुख्य वक्ता जवाहरलाल नेहरू विवि, नई दिल्ली के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. शक्ति कुमार।

फार्मास्युटिकल साइंसेज के छात्रों ने जानीं आधुनिक फार्मा तकनीकें

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए मंगलवार को ट्रिको फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, रोहतक में एक शैक्षणिक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया गया। इस दौरे के माध्यम से विद्यार्थियों को दवा निर्माण उद्योग की वास्तविक कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने और आधुनिक तकनीकों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। विभागाध्यक्ष प्रो. दीपक कौशिक ने बताया कि औद्योगिक दौरे विद्यार्थियों के समग्र शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, क्योंकि इससे कक्षा में अर्जित सैद्धांतिक ज्ञान को उद्योगों में हो रहे व्यावहारिक कार्यों से जोड़ने में मदद मिलती है। इस विजिट के दौरान विद्यार्थियों को दवाओं के उत्पादन में प्रयुक्त अत्याधुनिक एवं स्टेट-ऑफ-द-आर्ट मशीनों, गुणवत्ता मानकों, स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर्स (एसओपी) तथा वर्तमान फार्मास्युटिकल उद्योगों में अपनाई जा रही नवीनतम तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

निगमायुक्त ने नागरिक सुविधा केंद्र का किया निरीक्षण

- आमजन की समस्याओं का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने मंगलवार को नागरिक सुविधा केंद्र का औचक निरीक्षण कर वहां संचालित व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान केंद्र पर उपलब्ध विभिन्न नागरिक सेवाओं, कर्मचारियों की उपस्थिति, कार्य निष्पादन की गति, शिकायत निवारण प्रणाली एवं आमजन को दी जा रही सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया गया। मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नागरिक सुविधा केंद्र पर आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान निश्चित समयावधि एवं प्राथमिकता के आधार पर किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निगम आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने निरीक्षण के दौरान नागरिक सुविधा केंद्र में उपस्थित नागरिकों की समस्याएं, शिकायतें एवं सुझाव सुने और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।

रोहतक। नागरिक सुविधा केंद्र का औचक निरीक्षण करते तथा निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा। फोटो: हरिभूमि

सांपला के पहलवान दीपांशु ने जीता दंगल

सांपला। मंगलवार को छठ के अवसर पर बाबा हरिदास कमेटी की तरफ से कुश्तियों का आयोजन किया। जिसमें दूर दूर से पहलवानों ने भाग लिया। पहली कुश्ती सांपला जोगेंद्र अखाड़े के पहलवान दीपांशु ने जीती। मुख्य अतिथि पूर्व नगर पालिका चेयरमैन प्रवीण कोच ने विजेता पहलवान दीपांशु को 41 हजार रुपए का इनाम देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि खेल में हार जीत होती है, हारने वाले खिलाड़ी ने मनोबल नहीं छोड़ना चाहिए। फाइनल मुकाबला सांपला के पहलवान दीपांशु और अंकूश के बीच में हुआ। दीपांशु विजेता रहा। दुसरी कुश्ती रोहित फौजी ने जीती। इस अवसर पर बाबू वाले मंदिर में भंडारा भी लगाया गया। बाबा हरिदास कमेटी ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

इंटरनेशनल फ्रेंच स्पर्धा में आईबी स्कूल का शानदार प्रदर्शन

रोहतक। आईबी विद्यालय के विद्यार्थियों ने इंटरनेशनल फ्रेंच प्रतियोगिता के ग्लोबल एक्सीलेंस स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता प्रयत्ना एजुकेशन सोसायटी के सहयोग से आयोजित की गई थी, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यार्थियों ने फ्रेंच भाषा में अपनी मजबूत पकड़ और दक्षता का परिचय देते हुए अपनी भाषाई प्रतिभा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस उपलब्धि ने न केवल उनकी शैक्षणिक क्षमता को दर्शाया, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान और वैश्विक शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी उजागर किया। प्रयत्ना एजुकेशन सोसायटी के प्रतिनिधियों ने कहा कि ऐसे मंच विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे नई संस्कृतियों को समझने के लिए प्रेरित होते हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. मनोज कुमार सिंह ने इस सफलता को विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और संस्थाओं के सहयोग का परिणाम बताया।

रोहतक। विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करते मुख्य अतिथि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. पवन शर्मा व प्राचार्य प्रोफेसर सुरेंद्र सांगवान। फोटो: हरिभूमि

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN
• Neuro Surgery
• General Medicine
• General Surgery
• Orthopedics
• ब्रेन, रीढ़ की हड्डियों का ईलाज
• दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
• पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज
फौजी भाईयों का इलाज ECHS
• हरियाणा सरकार
• आयुष्मान भारत
• ESIC के पैनल पर
DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S, M.S, M.CH.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HOU (HIGH DEPENDANCY UNIT) जहर POISIONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARACY/AMBULANCE

आयोजन | एंटी-रैगिंग शपथ कार्यक्रम में लिया सुरक्षित परिसर का संकल्प

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों ने रैगिंग के विरुद्ध जताई अपनी प्रतिबद्धता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक में विज्ञान संकाय द्वारा "एंटी-रैगिंग शपथ कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के एंटी-रैगिंग सेल एवं प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आइक्यूएसी) के सहयोग से किया गया। जिसमें लगभग 50 विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और रैगिंग जैसी कुप्रथा के विरुद्ध अपनी प्रतिबद्धता जताई।

इस अवसर पर विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. मनोज कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का वातावरण तभी स्वस्थ और प्रगतिशील बन सकता है जब प्रत्येक छात्र आपसी सम्मान, अनुशासन और संवेदनशीलता को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाए।

कार्यक्रम के संयोजन में डॉ. सुनीता (संयोजक), डॉ. सोनू (सह-संयोजक) तथा डॉ. परवीन कुमार (सचिव) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त डॉ. रवि राणा, डॉ. आरती यादव सहित विज्ञान संकाय के अन्य सभी शिक्षक भी उपस्थित रहे। उनकी सहभागिता ने यह स्पष्ट किया कि संस्थान रैगिंग के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति पर दृढ़ता से कायम है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने सामूहिक रूप से शपथ ली कि वे न केवल स्वयं रैगिंग से दूर रहेंगे, बल्कि किसी भी प्रकार की रैगिंग की घटना की सूचना तुरंत संबंधित प्राधिकरण को देंगे।

कानून पर डाला प्रकाश

वक्ताओं ने रैगिंग के कानूनी प्रावधानों, दुष्परिणामों और इसके सामाजिक प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही यह भी बताया गया कि रैगिंग केवल अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि एक दंडनीय अपराध है, जिसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों को यह संदेश भी दिया गया कि वे नए छात्रों का स्वागत सकारात्मक और सहयोगात्मक तरीके से करें, ताकि परिसर में भाईचारा, विश्वास और सुरक्षा का माहौल मजबूत हो सके। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को और अधिक सुरक्षित, समावेशी और प्रेरणादायक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दीक्षांत केवल एक पड़ाव, असली यात्रा अब शुरू होती है: डॉ. पवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय में मंगलवार को दीक्षांत समारोह बड़े ही हर्षोल्लास, गरिमा और उल्लासपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। महाविद्यालय परिसर को इस अवसर पर विशेष रूप से सजाया गया था, जिससे पूरे वातावरण में उत्सव का माहौल देखने को मिला। विद्यार्थियों के चेहरों पर अपनी वर्षों की मेहनत का फल प्राप्त करने की खुशी साफ झलक रही थी। यह समारोह दो सत्रों में संपन्न हुआ। प्रथम सत्र में कला एवं वाणिज्य संकाय के लगभग 425 विद्यार्थियों को डिग्रियाँ प्रदान की गईं। इस सत्र के मुख्य अतिथि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. पवन शर्मा रहे।

- पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय में दीक्षांत समारोह

उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर सीखते रहने, कठिन परिश्रम करने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि दीक्षांत केवल एक पड़ाव है, असली यात्रा अब शुरू होती है। द्वितीय सत्र में विज्ञान संकाय के लगभग 425 विद्यार्थियों को डिग्रियाँ प्रदान की गईं। इस सत्र के मुख्य अतिथि हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन के सदस्य श्री आनंद शर्मा रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धात्मक युग में आगे बढ़ने के लिए आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प का महत्व समझाया। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। समारोह के दौरान डिग्री प्राप्त करते समय विद्यार्थियों के चेहरे पर गर्व और आत्मविश्वास देखने योग्य था। कई विद्यार्थियों ने इस अवसर को अपने जीवन का यादगार क्षण बताया और अपने शिक्षकों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दिल्ली एनसीआर जैसे बड़े शहरों में वाहन 20 से 40 प्रतिशत प्रदूषण के लिए जिम्मेदार

प्रदूषण को लेकर ऊंघ रहा परिवहन विभाग, पर्यावरण मंत्री ने थामा मोर्चा

रोहतक जैसे मध्यम शहर में 30 से 40 और छोटे शहरों में 20 से 30% प्रदूषण वाहनों का

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

प्रदेश में प्रदूषण के खिलाफ जंग कागजों में सिमटती दिख रही है, जबकि जमीनी हकीकत दम घोंटने वाली है। परिवहन विभाग की ढीली कार्यशैली के बीच पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह को ही खुद मोर्चा संभालना पड़ा। मंत्री के निर्देश पर पिछले दिनों प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के रोहतक कार्यालय ने रोहतक शहर में 6 प्रदूषण जांच केंद्रों की जांच की। इसमें से सिर्फ 3 ही मानकों पर खरे मिले, बाकी 3 केंद्रों पर फर्जी फिटनेस का खेल खुलकर सामने आया।

जांच के दौरान कई केंद्रों पर उपकरण या तो खराब मिले या उनका सही इस्तेमाल ही नहीं हो रहा था, बावजूद इसके वाहनों को धड़ल्ले से क्लीन चिट दी जा रही थी। यह लापरवाही सीधे तौर पर बढ़ते वायु प्रदूषण और लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा बनकर मंडरा रही है। अब इस पूरे मामले की विस्तृत जांच रिपोर्ट पर्यावरण मंत्री को भेजी जा चुकी है। इसके साथ ही टांसपोर्ट डिपार्टमेंट के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी कटघरे में है। सबकी निगाहें अब सरकार पर टिकी हैं। देखना यह होगा कि इस रिपोर्ट पर ठोस कार्रवाई होती है या फिर यह भी फाइलों की धूल बनकर रह जाएगी। फिलहाल सवाल वही है कि क्या प्रदूषण पर सख्ती होगी या सिस्टम यूं ही धुआं उगलता रहेगा।

सख्त कार्रवाई जरूरी

प्रदूषण जांच केंद्रों की नियमित मॉनिटरिंग, सीसीटीवी निगरानी, ऑनलाइन डेटा लिंकिंग और आकस्मिक निरीक्षण को अनिवार्य किया जाना चाहिए। साथ ही, दोषी पाए जाने वाले केंद्रों के लाइसेंस रद्द करने जैसी सख्त कार्रवाई भी जरूरी है। यदि समय रहते इस व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो वायु प्रदूषण की समस्या और विकराल हो सकती है। अब जरूरत है कागजी दावों से आगे बढ़कर जमीनी स्तर पर सख्ती से नियम लागू करने की, ताकि शहर की हवा सच में सांस लेने लायक बन सके।

-प्रो. राजेश धनखड़, पर्यावरण विज्ञान विभाग महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक

शहर के एक्यूआई पर डाले नजर

12 मार्च को	180
13	150
14	90
15	91
16	65
17	74
18	131
19	128
20	110
21	133
22	114
23	106
24 मार्च को	187

नोट: अगर एक्यूआई 50 तक हो तो वह सांस लेने के लायक माना जाता है।

80 रुपये में जारी करते हैं सर्टिफिकेट

सूत्रों के अनुसार, कई केंद्रों पर बिना मशीन चालू किए ही 80 रुपये की रसीदें काटी जा रही हैं। वाहन मालिकों से शुल्क वसूल कर उन्हें प्रमाण पत्र दे दिया जाता है, जिससे नियमों का खुला उल्लंघन हो रहा है। अगर वाहन पुराना है तो प्रमाणपत्र की वैधता छह महीने और नया है तो एक साल होती है। इस तरह से प्रमाणपत्र जारी करना न केवल लापरवाही है, बल्कि कानून की अवहेलना है। इसके साथ यह प्रदूषण नियंत्रण की पूरी व्यवस्था को कमजोर कर रही है। यह भी सामने आया है कि कई वाहन मालिक समय बचाने या झंझट से बचने के लिए ऐसे केंद्रों का सहारा लेते हैं, जहां बिना जांच के प्रमाण पत्र आसानी से मिल जाता है। इससे ईमानदारी से काम करने वाले केंद्रों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और पूरी व्यवस्था पर अविश्वास बढ़ता है।

जिले में हैं 40 केंद्र

मालूम रहे कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण पिछले डेढ़ दशक से गंभीर संकट बना हुआ है, लेकिन इसे नियंत्रित करने के प्रयास अक्सर कागजों में ही सीमित नजर आते हैं। अब रोहतक में प्रदूषण जांच केंद्रों की कार्यप्रणाली ने पूरे सिस्टम की पोल खोल दी है। मालूम रहे कि रोहतक जिले में 140 से अधिक पट्रोल पंप हैं। इनमें से तकरीबन 40 पर प्रदूषण जांच केंद्र प्रदेश के परिवहन विभाग ने स्थापित किए हुए हैं। केंद्रों के संचालक वाहन चालक से 80 रुपये लेकर प्रदूषण जांच प्रमाणपत्र जारी करते हैं। प्रदूषण फैलाने में वाहनों की जिम्मेदारी 20 से 40 प्रतिशत बड़े शहरों (जैसे दिल्ली एनसीआर) में 30 से 40% तक मध्यम में (जैसे रोहतक) में, 20 से 30 फीसदी के आसपास छोटे शहरों में है।

याद बहुत आते हैं वो दिन...

पिता की प्रेरणा, संस्कार और परिवार ने जीवन के हर मोड़ पर बढ़ाया हौसला

संघर्ष से संतुष्टि तक: कृष्ण दत्त कौशिक की प्रेरणादायक जीवन यात्रा

छोटे से गांव मैंसरू कलां के रहने वाले कृष्ण दत्त कौशिक की जीवन यात्रा संघर्ष, मेहनत और संतोष की एक मिसाल है। सादगी भरे ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े कृष्ण दत्त का बचपन परिवार के संस्कारों और अपनत्व के बीच बीता। उनके पिता आरपीएफ में कार्यरत थे, जिनसे उन्हें अनुशासन, ईमानदारी और देशसेवा की प्रेरणा मिली। युवावस्था में उन्होंने खेती को ही अपना पहला कर्मक्षेत्र बनाया। खेतों में मेहनत करना, परिवार की जिम्मेदारियां निभाना और माता-पिता की सेवा करना यही उनकी दिनचर्या थी। साथ ही, उन्हें खेल-कूद, खासकर पहलवानी में गहरी रुचि थी। आज भी क्रिकेट देखना उनके शौकों में शामिल है, जो उन्हें तरोताजा रखता है।

कृष्ण दत्त कौशिक

जिंदगी में 33 वर्ष की उम्र में आया असली मोड़

कृष्ण दत्त कौशिक की जिंदगी में असली मोड़ 33 वर्ष की उम्र में आया, जब उन्होंने वर्ष 1997 में सीआईएसएफ जॉइन की। यह फैसला उनके जीवन का सबसे गर्व भरा कदम साबित हुआ। कड़ी मेहनत, संघर्ष और लगन के बल पर उन्होंने इस जिम्मेदारी को निभाया और देश की सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। अपनी ईमानदारी और समर्पण के चलते वे सब-इंस्पेक्टर के पद से सेवानिवृत्त हुए। कृष्ण दत्त कौशिक की सफलता के पीछे उनके परिवार का बड़ा योगदान रहा है। उनकी पत्नी ने हर परिस्थिति में उनका साथ दिया और उनका हौसला बढ़ाया। उनके दो बेटे हैं, जिन्हें उन्होंने अच्छी शिक्षा दी और आज दोनों अपने-अपने क्षेत्रों में सफल हैं। बड़ा बेटा और बहू बेंगलुरु में इंजीनियर हैं, जबकि छोटा बेटा रेलवे में कार्यरत है और उसकी पत्नी सरकारी नौकरी की तैयारी कर रही है। सेवानिवृत्ति के बाद उनका जीवन सुकून और संतोष से भर गया है। वे अपने परिवार और पोते-पोतियों के साथ खुशहाल समय बिता रहे हैं। सुबह मंदिर जाना और एक्सरसाइज करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा है, जिससे वे खुद को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखते हैं। संघर्षों से भरी इस यात्रा में मेहनत, परिवार का साथ और भगवान की कृपा ने उन्हें एक संतुष्ट और खुशहाल जीवन दिया। यही उनकी असली उपलब्धि और सबसे बड़ी कमाई है।

मेहनत की कमाई, अब सुकून भरी जिंदगी : दयाप्रकाश

ग्राम खरेंटी के किसान दयाप्रकाश भारद्वाज ने अपनी पूरी जिंदगी खेती-बाड़ी में मेहनत करते हुए बिताई और अपने बच्चों को काबिल बनाकर आज सुकून भरा जीवन जी रहे हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने कभी हिम्मत नहीं हारी और दिन-रात खेतों में मेहनत कर परिवार को आगे बढ़ाया। उनकी मेहनत का ही नतीजा है कि आज उनके बच्चे अपने-अपने क्षेत्र में सफल हैं और परिवार खुशहाल जीवन जी रहा है। दयाप्रकाश भारद्वाज बताते हैं कि खेती ने उन्हें मेहनत, धैर्य और संतोष का असली महत्व सिखाया। अब जब जिम्मेदारियां कम हो गई हैं, तो वे अपना समय परिवार के साथ बिताते हैं और जीवन के हर पल का आनंद ले रहे हैं। उनका मानना है कि सच्ची खुशी मेहनत के बाद मिलने वाले संतोष में ही होती है।

देशसेवा के बाद सुकून भरा जीवन : सूबेदार रामरतन

गांव खिड़वाली के सूबेदार रामरतन मुदगिल ने भारतीय सेना में रहकर वर्षों तक देश की सेवा की और अब सेवानिवृत्ति के बाद शांतिपूर्ण और संतुष्ट जीवन व्यतीत कर रहे हैं। अनुशासन और समर्पण उनके जीवन की पहचान रहे हैं, जिसे उन्होंने सेना में रहते हुए पूरी निष्ठा से निभाया। सेना से रिटायर होने के बाद उन्होंने अपना समय परिवार को समर्पित कर दिया है। वे अपने बेटे और पोते-पोतियों के साथ समय बिताते हुए जीवन के खुशनुमा पलों का आनंद ले रहे हैं। परिवार के साथ हंसी-खुशी बिताए गए पल ही उनके लिए सबसे बड़ी दौलत हैं। रामरतन मुदगिल का मानना है कि देशसेवा के बाद परिवार के साथ सुकून से जीवन बिताना सबसे बड़ी खुशी है। उनका जीवन आज संतोष, शांति और परिवार के प्रेम से भरपूर है।

सेवानिवृत्ति के बाद सुकून के पल : रामकुंवर हुड्डा

बैंक से सेवानिवृत्त रामकुंवर हुड्डा आज अपनी जिंदगी के सबसे सुकून भरे दौर का आनंद ले रहे हैं। वर्षों तक नौकरी में मेहनत करने के बाद अब वे परिवार के साथ शांत और खुशहाल जीवन जी रहे हैं। उनके दो बेटे हैं, जो उनका पूरा ध्यान रखते हैं और हर जरूरत में उनका साथ निभाते हैं। रामकुंवर हुड्डा बताते हैं कि बच्चों का यह स्नेह और सेवा ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। आजकल उनका समय आराम से बीतता है। वे गांव की चौपाल में दोस्तों के साथ ताश खेलते हैं और अपने पुराने साथियों के साथ बैठकर हुक्का पीते हुए बातचीत का आनंद लेते हैं। इसके अलावा वे अपने पोते-पोतियों के साथ खेलते हैं, जिससे उनका मन हमेशा खुश और तरोताजा रहता है। उनका मानना है कि जीवन में असली खुशी परिवार के साथ बिताए गए इन छोटे-छोटे पलों में ही होती है।

रोहतक। मीटिंग लेते उपायुक्त सचिन गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

30 जून से पहले पूरी हों बाढ़ बचाव परियोजनाएं 15 तक ड्रेनों की सफाई के दिए निर्देश

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले में स्वीकृत सभी बाढ़ बचाव परियोजनाओं को 30 जून 2026 से पहले हर हाल में पूरा किया जाए, ताकि वर्षा ऋतु के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके साथ ही उन्होंने जिले से गुजरने वाली सभी ड्रेनों की सफाई का कार्य 15 जून तक पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। स्थानीय कैंप कार्यालय में मंगलवार को आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान उपायुक्त ने बताया कि सरकार द्वारा जिले के लिए बाढ़ बचाव की 29 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिन पर 53 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे। इन योजनाओं के पूरा होने से जिले में जलभराव और बाढ़ की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकेगा। उन्होंने अधिकारियों से सभी परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली और समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ड्रेनों की सफाई कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समय रहते पूरी की जाएं। साथ ही मुख्यालय से मिलने वाले पंप सेटों को लेकर भी चर्चा की गई और बताया गया कि जल्द ही पर्याप्त संख्या में पंप सेट उपलब्ध कराए जाएंगे। बाढ़ बचाव योजनाओं के तहत कई गांवों में जल निकासी के लिए भूमिगत आरसीसी पाइपलाइन बिछाने, ड्रेनों के किनारों पर सुरक्षा दीवार बनाने और पंप हाउस स्थापित करने जैसे कार्य शामिल हैं। मैणी सुरजन, मैणी चंद्रपाल, सैमाण, बैंसी, मोखरा खेड़ी और बहलबा सहित कई गांवों में करोड़ों रुपये की लागत से कार्य किए जा रहे हैं। महम ड्रेन, आसन लिंक ड्रेन और अन्य जल निकासी तंत्रों को मजबूत करने के लिए भी योजनाएं लागू की जा रही हैं। उपायुक्त ने बताया कि विभिन्न स्थानों पर नए पंपों की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग के साथ-साथ समपवेल निर्माण और एचडीपीई पाइपलाइन बिछाने के कार्य भी तेजी से चल रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं में गुणवत्ता और समय सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता सतपाल दलाल, कार्यकारी अभियंता अरुण मुंजाल, राजीव राठी, राजेश भारद्वाज सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी है।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

डॉ. राजेश कुमार कुंडू ने शोध पत्र किया प्रस्तुत

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में हुआ दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक के लोक प्रशासन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. राजेश कुमार कुंडू ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज, जेएनयू और भारत कृषक समाज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में डॉ. राजेश कुमार कुंडू ने- हरियाणा में ग्रामीण कृषि विकास और कल्याणकारी राज्यः नीतिगत कमियां, संस्थागत चुनौतियां और उभरते मार्ग विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने खेती से आय में गिरावट, पर्यावरणीय क्षरण, श्रमिकों का विस्थापन और छोटे-बड़े किसानों के बीच बढ़ती असमानताओं को प्रमुख चुनौतियों के रूप में चिन्हित किया।

अपने शोध में डॉ. कुंडू ने शोध में हरियाणा के कृषि विकास के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को भी शामिल किया गया, जिसमें सर छोटू राम के योगदान, भूमि सुधार, सिंचाई, ऋण और सहकारिता व्यवस्था के विकास के साथ हरित क्रांति के दीर्घकालिक प्रभावों का विश्लेषण किया गया।

रोहतक। राष्ट्रीय सम्मेलन में मौजूद एमडीयू के लोक प्रशासन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. राजेश कुमार कुंडू व अन्य आयोजक। फोटो : हरिभूमि

डॉ. कुंडू ने भविष्य के लिए दिए कई सुझाव

डॉ. कुंडू ने भविष्य के लिए कई सुझाव देते हुए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण को मजबूत करने, भूमि और किसानों के डेटा को एकीकृत करने तथा शिकायत निवारण तंत्र को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। इसके अलावा फसल विविधीकरण, डेयरी और मत्स्य पालन को बढ़ावा देने, किसान उत्पादक संगठनों को सशक्त करने और बाजार तक पहुंच सुधारने की सिफारिश की गई। उन्होंने जलवायु-अनुकूल खेती, बेहतर जल प्रबंधन और संसाधनों के टिकाऊ उपयोग को भी आवश्यक बताया। डॉ. कुंडू ने पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने, सहभागी योजना और सामाजिक ऑडिट को बढ़ावा देने की बात कही, ताकि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से जमीनी स्तर तक पहुंच सके।

रोहतक। शिविर में बच्चों को ब्रशिंग किट व स्टेशनरी वितरित करते डॉक्टरों की टीम।

डॉक्टरों ने श्रमिकों के दांतों की जांच की

रोहतक। स्वास्थ्य विभाग द्वारा विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस की थीम हैप्पी माउथ, हैप्पी लाइफ के तहत 20 मार्च से 20 अप्रैल तक मुख स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को सेक्टर-1 के पास झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले प्रवासी मजदूर परिवारों के लिए विशेष दंत स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। सेक्टर-3 स्थित पोलीक्लीनिक की दंत चिकित्सक डॉ. पूर्णिमा के नेतृत्व में आयोजित शिविर में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी लोगों के दांतों की निःशुल्क जांच की गई और लाइव डेमो के जरिए सही ब्रशिंग तकनीक सिखाई गई। बच्चों को ब्रशिंग किट व स्टेशनरी भी वितरित की गई। डॉ. पूर्णिमा ने तंबाकू, गुटखा व धूम्रपान से होने वाले मुख कैंसर के खतरों के प्रति जागरूक करते हुए इन्हें छोड़ने और नियमित दंत जांच कराने की सलाह दी। अभियान के तहत जिले में आगे भी ऐसे शिविर लगाए जाएंगे।

स्वतंत्रता सेनानी चौधरी देवी सिंह की 71वीं पुण्यतिथि पर शहीदों को किया नमन

रोहतक। जाट शिक्षण संस्थानों के संस्थापक एवं स्वतंत्रता सेनानी चौधरी देवी सिंह की 71वीं पुण्यतिथि मंगलवार को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर संस्थानों में उनके नाम से बनी यज्ञशाला में हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें तिलक नगर आर्य समाज के सहयोग से धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। हवन के ब्रह्मा सुखबीर दहिया और ईश्वर दलाल रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष रामकिशन पावड़िया ने कहा कि चौधरी देवी सिंह का समाज के प्रति योगदान अविस्मरणीय है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय जाट महासभा प्रदेश अध्यक्ष रामकिशन पावड़िया, निर्मला मलिक, आठगामा तपा बोहर के प्रधान रणबीर पहलवान, सचिव ऋषिपाल बालोठ, नाहार सिंह देशवाल, भरत कालोनी के प्रधान बलजीत, सुभाष कादयान, कालीरमण, नरेश बहल, मनीष यादव, ईश्वर दलाल, सतीश कुणडू, कंवर गुलिया, संदीप पावड़िया, बिरजू इलेक्ट्रिकल, पावेल बाल्याण, आर्य समाज बोहर के प्रधान धनिराम नांदल, विशाल नांदल, रविंद्र नांदल, अनूप सिलानी, रमेश डागर, बिजेंदर खेड़ी साध, करतार सिंह, नरेंद्र नहरा, दीपक जुरेल, यशवीर खरब, सुखबीर दहिया, बलवान राठी, देवेन्द्र खत्री ने हवन में आहुति डालकर पुण्य प्राप्त किया।

लिंक अधिकारी व्यवस्था को मिली नई धार

प्रशासनिक कामकाज में नहीं आएगा ठहराव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

हरियाणा सरकार ने वर्ष 2023 में लागू की गई लिंक अधिकारी व्यवस्था को अब और अधिक प्रभावी और जवाबदेह बना दिया है। प्रशासनिक कार्यों को बिना बाधा जारी रखने के उद्देश्य से शुरू की गई इस प्रणाली में जनवरी 2026 में नए आदेश जारी कर महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। जनवरी 2023 में लागू व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य था कि किसी अधिकारी के अवकाश, प्रशिक्षण या अन्य कारणों से अनुपस्थित रहने पर उसके कार्य प्रभावित न हों। इसके लिए पहले से लिंक अधिकारी नियुक्त किए जाते थे, लेकिन उस समय यह व्यवस्था सीमित प्रभाव वाली रही और कई मामलों में फाइलों के निपटान में देरी देखने को मिली। अब 2026 के नए आदेशों के तहत लिंक अधिकारियों को पूर्ण प्रशासनिक अधिकार दिए गए हैं। वे संबंधित अधिकारी की अनुपस्थिति में ट्रांसफर, रिटायरमेंट, अवकाश, चुनाव ड्यूटी सहित सभी कार्यों की जिम्मेदारी संभालेंगे। अधिकारियों को छुट्टी पर जाने से पहले लंबित कार्यों की जानकारी सौंपना अनिवार्य किया गया है।

नई व्यवस्था में जवाबदेही भी तय

विभागों को लिंक अधिकारियों की जानकारी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। नई व्यवस्था में जवाबदेही भी तय की गई है, जिससे कार्य में देरी होने पर जिम्मेदारी तय होगी और पारदर्शिता बढ़ेगी। मंडलायुक्त स्तर पर अंबाला, करनाल, रोहतक और हिसार मंडलों में आपसी लिंक व्यवस्था लागू की गई है। जिला स्तर पर उपायुक्त के लिए अतिरिक्त उपायुक्त तथा एडीसी के लिए जिला परिषद के सीईओ को जिम्मेदारी दी गई है।

सैन्य संघर्ष मानवता के लिए गंभीर खतरा

रोहतक। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यवान और उपाध्यक्ष अनूप सिंह मातनहेल ने संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शहीदी दिवस को देशभर में साम्राज्यवाद-विरोधी दिवस के रूप में सफल बनाने पर किसानों का आभार जताया। मंगलवार को नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर हो रहे सैन्य संघर्ष मानवता के लिए गंभीर खतरा हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की कि कृषि से जुड़े किसी भी व्यापारिक निर्णय में देश के किसानों के हितों को सर्वोपरि रखा जाए। हरियाणा के संदर्भ में उन्होंने बताया कि हाल ही में हुई बेमौसमी बारिश और तेज हवाओं से गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। कई जगह फसल खेतों में गिर गई है, जबकि सरसों की खड़ी, कटी और मंडियों में पहुंची फसल भी खराब हो गई है। कई क्षेत्रों में ओलावृष्टि से नुकसान और बढ़ा है। संगठन ने सरकार से मांग की है कि तुरंत स्पेशल गिरदावरी कराकर नुकसान का सही आकलन किया जाए और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए।

सड़क दुर्घटना के गंभीर मरीजों के लिए वरदान साबित होगी सुविधा

ट्रॉमा सेंटर में 24 घंटे रक्त भंडारण केंद्र शुरू: कुलपति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

हरियाणा सरकार व हमारा प्रयास है कि मरीजों को सभी सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध करवाई जाएं ताकि मरीजों को इधर से उधर न भटकना पड़े। ट्रॉमा सेंटर में सड़क दुर्घटना के गंभीर मरीज आते हैं तो ऐसे में उन्हें रक्त की जरूरत पड़ने पर एमरजेंसी के साथ स्थित ब्लड बैंक में जाना पड़ता था, जिससे मरीजों के परिजनों को काफी परेशानी होती थी। आमजन की इसी सहुलियत को देखते हुए आज ट्रॉमा सेंटर में रक्त भंडारण केंद्र शुरू किया गया है। यह कहना है पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल का। वें मंगलवार को ट्रॉमा सेंटर में इस केंद्र का मुख्य अतिथि के तौर पर शुभारंभ करने पहुंचे थे।

कुलपति डॉ.एचके अग्रवाल ने बताया कि यह रक्त भंडारण केंद्र 24 घंटे कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि यह रक्त भंडारण गंभीर घायल मरीजों के लिए एक वरदान की तरह साबित हो और उनकी जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि वें इस केंद्र के लिए डॉ. गजेंद्र व डॉ. रागिनी को बधाई देते हैं। कुलपति ने कहा कि यह रक्त भंडारण केंद्र ट्रॉमा सेंटर के रोगियों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा है। कुलसचिव डॉ. रूपसिंह ने कहा कि केंद्र पीजीआईएमएस रोहतक की आपातकालीन सेवाओं को और मजबूत करेगा। निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने कहा कि यह रक्त भंडारण केंद्र ट्रॉमा रोगियों के लिए जीवनदायिनी सुविधा है। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि मरीजों को जल्द से जल्द रक्त मिले ताकि रक्त के अभाव में किसी मरीज की जान ना जाए। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल ने बताया कि केंद्र शुरू करना कुलपति डॉ. अग्रवाल के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन का परिणाम है वहीं इसके साथ ही संस्थान में मरीजों के हितों हेतु प्रतिदिन प्रयास किए जा रहे हैं।

रोहतक। ट्रॉमा सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल का स्वागत करते एचओडी डॉ. गजेन्द्र सिंह, डॉ. पंकज गहलोत, डॉ. पंकज छिक्कारा, डॉ. सुंदर, डॉ. रागिनी, डीएनएस हन्नी प्रभा व अन्य स्टाफ।

हमें विभाग के चिकित्सकों पर गर्व: डॉ. गजेन्द्र

एचओडी डॉ. गजेन्द्र सिंह ने कहा कि यह केंद्र रक्त की आपूर्ति को सुनिश्चित करेगा और रोगियों को समय पर रक्त उपलब्ध कराएगा। यह संस्थान की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है और हमें विभाग के चिकित्सकों पर गर्व है कि इतने कम समय में यह केंद्र स्थापित किया गया है। डॉ. गजेंद्र ने बताया कि संस्थान के अधिकारियों के सहयोग से केवल 3 महीने में सरकार से लाइसेंस प्राप्त करके आज इसे शुरू किया गया है, जो आपातकालीन रोगी देखभाल के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। डॉ. रागिनी ने कहा कि यह केंद्र दूसरे फ्लोर पर रूम नंबर 201 में स्थित है और यहां ट्रॉमा रोगियों के लिए पूरे रक्त की उपलब्धता है। अब ट्रॉमा सेंटर के सभी आपातकालीन रोगियों को यहां पूरे रक्त की जांच कराने की सुविधा मिलेगी और उनका काफी समय बचेगा। इस केंद्र में करीब 300 यूनिट स्टोरेज की क्षमता है, वहीं प्रतिदिन ट्रॉमा में करीब 20 से अधिक यूनिट रक्त की जरूरत पडती रहती है। इस अवसर पर डॉ. पंकज गहलोत, डॉ. पंकज छिक्कारा, डॉ. सुंदर, डीएनएस हन्नी प्रभा, रमन, अंजू, अरविंद, मनोज, भारत सहित विभाग के सभी सदस्य उपस्थित रहे।